

19/3/2019

पञ्चावली वेद्य हरे) अथि वस्तु पतिवारी  
 1, 3, 4 उषण अथि वस्तु वापी तन्म  
 वारीगय अनुयत्नित। भाष्याल्प लम्प  
 मे एक - एक कर कई कर कावाज  
 भावाके घा भी वारीगय कावाज अथि वस्तु  
 वारीगय उपरत्नित नही हुए। अतः वरिष्ण  
 अफम धजरी, अरम पैरवी मे रवारीज  
 किया जाय है) पञ्चावली कावाज शुमार  
 होषा नम्बर से काम हो।

